an>

Title: Need to declare 18 December, a public holiday, on account of birthday of Sant Guru Ghasidas.

श्री पुन्नूलाल मोहले (बिलासपुर) : माननीय सभापति महोदय, मैं छत्तीसगढ़ के महान संत बाबा गुरू घासीदास की जीवनी पर पकाश डालना चाहता हूं। सन् 1756 में उन्होंने जिला रायपुर, ग्राम गिरोदपुरी में जन्म लिया। उन्होंने बाल्यकाल से ही नये-नये चमत्कार और विचार दिखाने शुरू कर दिये। जैसे मरे हुए सांप को जिंदा करना, अगर किसी आदमी को सांप ने काट लिया, तो उस आदमी को जिंदा कर देना और मिर्ची की बाडी में भाटा उगा देना। उन्होंने छः महीने तक कठिन तपस्या की जिससे उनको सत्यनाम का बीजमंत्र प्राप्त हुआ। उन्होंने बीजमंत्र प्राप्त करने के बाद माता सफुरादेवी जो छः महीने की मुर्दा थी, उसको सत्यनाम का अमृत देकर जिंदा कर दिया। इसे देखकर पूरा संसार आश्चर्यचकित हुआ और उन्हें अपना इष्ट भगवान मानने लगा। कई लोगों ने यहां तक कहा कि यह तो सामान्य जादू है। वे महान संत हैं, तो मरी हुई बछिया को जिंदा करके दिखाये। उन्होंने मरी हुई बछिया को भी जिंदा करके दिखाया। उन्होंने इस सत्यनाम के मंत्र जाप से अनेक लोगों को ठीक किया। चाहे कोढ़ की बीमारी हो, कैंसर हो, हार्ट या किडनी फेल हो जाये, तो वे अमृत देते थे जिससे वह आदमी जिंदा हो जाता था। अगर किसी आदमी की आंख खराब हो गयी और वे उसके पास जाते थे, तो उसे दिखाई देने लगता था। इस तरह चमत्कारी पुरूष का पूरे देश में नाम होने लगा।

उस महान संत की यादगार में ग्राम गिरोदपुरी, जिला रायपुर में दस से पन्द्रह लाख लोग हर वर्ष मेला मनाते हैं। सत्यनामी समुदाय के संत के रूप में गुरू घासीदास की यादगार में प्रतीक चिह्न गुरू घासीदास के जयस्तंभ का निर्माण किया गया है। 18 दिसम्बर को उनकी पूजा अराधना पूरे देश में की जाती है। उनके अनुयायी दो करोड़ लोग हैं। इस महान संत ने सत्य, प्रेम का पाठ पूरे देश में पढ़ाया था जिसमें झगड़ा विहीन समाज, अशांत को शांति की ओर ले जाना है। उन्होंने सत्य का उपदेश दिया जिसमें भ्रष्टाचार न हो, ईमानदारी, शांति, प्रेम, स्नेह, दया और क्षमा हो। उन्होंने विवेक से बात करके मानव समाज को एक नयी दिशा और संदेश दिया। उस संत की यादगार में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकार ने 18 दिसम्बर की छुट्टी घोषित की है। मैं मांग करना चाहता हूं कि उस दिन केन्द्रीय छुट्टी घोषित हो और गिरोदपुरी में पर्यटन स्थल हो जिससे लाखों आने वाले लोग उस पर्यटन स्थल में आयें। 18 दिसम्बर की छुट्टी पूरे राष्ट्र में मनायी जाये।[MSOffice37] मैं मांग करना चाहता हूँ कि 18 दिसंबर को पूरे राष्ट्र में छुट्टी मनाई जाए और इस दिन को केन्द्र सरकार राष्ट्रीय अवकाश एवं उस स्थल को एक पर्यटन स्थल घोषित करे।